साफ़-चमचमाती परात

साफ़-चमचमाती परात

जब आइलैंड के रेसॉल्व मेकपीस वॉटरमैन ने अपने मन में बात तय की, तो यह एक बहुत अच्छी निशानी थी. इस बार उसके मन में शादी की बात थी.

"तुम जाकर एक साफ़-चमकते हुई परात वाली लड़की खोजो," उसकी माँ ने उसे सलाह दी. लेकिन यह कैसे संभव होगा? हरेक लड़की को अपनी परात दिखानी होगी जिससे उसमें चिपका हुआ बचा-खुचा आटा उसका घोड़ा खा सके. खैर, उस दिन काफी आश्चर्यजनक घटनाएं हुईं.

एक दिन रोड आइलैंड के रेसॉल्व मेकपीस वाटरमैन ने शादी करने का मन बनाया.
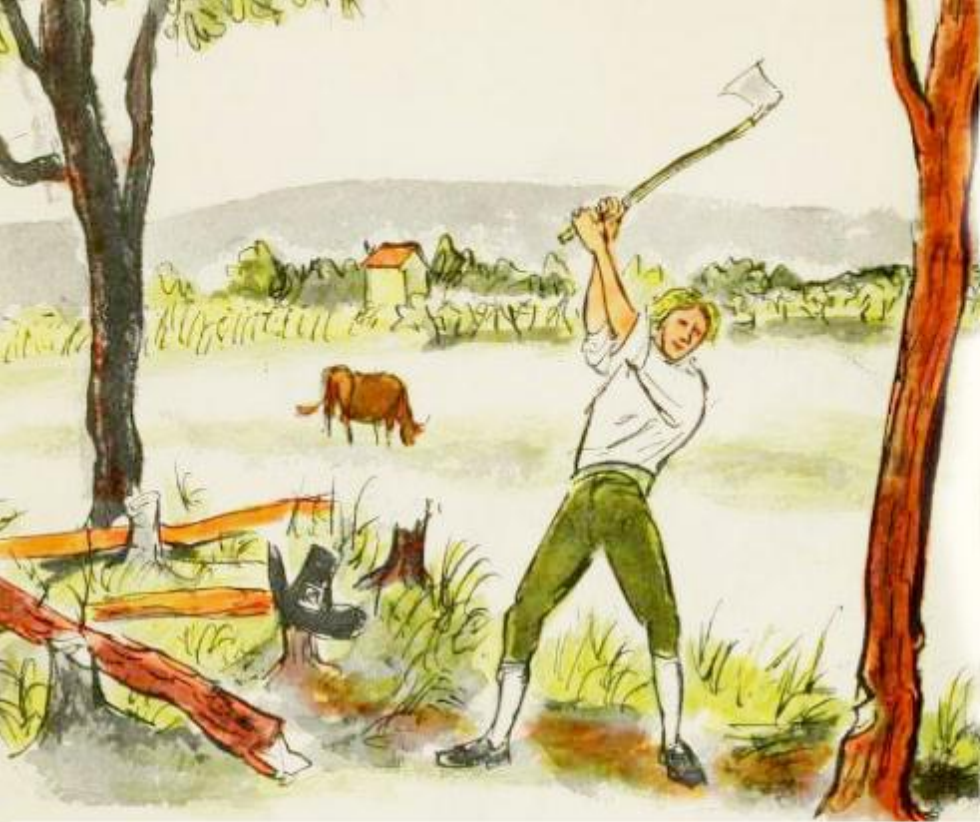
उसकी माँ भी तैयार थीं. उनके लड़के को कभी तो शादी करनी ही थी. बरसों पहले जब उसके पिता का निधन हुआ था तब से वो खेत पर काम कर रहा था. उसने बाकी दोस्तों के साथ खेलना छोड़ दिया था. अब वो खलिहान साफ़ करता और हल चलाता, खरपतवार निकालता, बीज बोता, फसल की कटाई करता, जानवरों को खिलाने-पिलाने का काम करता. वो घर और खलिहान की मरम्मत करता आदि. पर उसके काम संभालने के बाद सब कुछ समृद्ध हुआ था.

अब उसके खेत दूर तक फैले थे. इतनी फसल होती थी कि वो बड़े खलिहान में भी नहीं समाती थी. उसकी बेशुमार गाय और भेड़ें पहाड़ी और चरागाह पर चरती रहती थीं. वो बहुत कुशल था और कोई भी काम कर सकता था. ईंटें - वो सुन्दर ईंटें बनाता था जिनसे बनी दीवार पर दुर्लभ फूल चिपटना पसंद करते थे. उसका घर बड़ा और सुंदर बन गया था. उसने जो फर्नीचर बनाया वो लंदन के फर्नीचर से कुछ कम नहीं था.

जब रेसॉल्व ने अपनी मां को बताया कि वो शादी करना चाहता था, तो माँ ने कहा. "देखो, मैं तुम्हें बताती हूँ कि तुम क्या करो. अपने घोड़े फ्लिकर पर चढ़कर हरेक लड़की के घर जाओ. उससे कहो, "ज़रा मुझे आटा माढ़ने वाली परात दिखाओ. उसमें चिपके आटे को मेरा घोड़ा खा सकता है." ध्यान रखो! यदि उसकी आटे की परात में सच में कुछ आटा चिपका हो, तो उसे विनम्रता से धन्यवाद कहो, और फिर आगे बढ़ो. उस लड़की का पता लगाओ जिसकी आटे की परात चमकदार और साफ़ धुली हो. वही लड़की तुम्हारे लिए लिए एक फिट पत्नी होगी."

घर में माँ हमेशा अपनी बेटियों से कहती हैं कि वे परात को साफ़ रखें. लेकिन लड़कियों सोचती हैं, अगर थोड़ा सा आटा परात में चिपका रह भी गया तो उससे कोई नुकसान नहीं होगा. रोटी बनाने से पहले उन्हें आटे को गूंथना पड़ता था फिर उनकी लोई बनानी पड़ती थीं. रोटी बनाने के बाद वो परात को साफ़ करती थीं, पर किनार पर अक्सर आटा चिपका रह जाता था. लड़कियां उसकी बिलकुल परवाह नहीं करती थीं.

युवा रेसॉल्व थोड़ा हैरान ज़रूर था फिर भी वो अपने घोड़े पर सवार होकर आगे बढ़ा. उसे परात की बात कुछ समझ में नहीं आई. कभी पहले उसने डोरोथी से शादी करने के बात सोची थी. पर अब वो शादी की बात से उतना खुश नहीं था. क्यों? वो यह नहीं जानता था.

"फ्लिकर," उसने अपने घोड़े से कहा,

"रविवार को चर्च में डोरोथी एक गुलाब की तरह प्यारी लग रही थी."

यह सुनकर उसके बुद्धिमान घोड़े ने अपना सिर हिलाया.

रेसॉल्व ने अपना सिर हिलाया. "इस मामले में मैं माँ की सलाह मानने की कोशिश करूँगा क्योंकि यह काम मेरे लिए बिल्कुल नया है."

वो अपने घोड़े पर आगे चला. पहला घर पेशेंस ब्रिघम का था. वो अच्छी रोटियां बनाती थी, लेकिन दूर-दूर तक उसे लोग एक गुस्सैल के रूप में जानते थे.

"गुडमॉर्निंग, पेशेंस," रेसॉल्व ने उससे कहा.

"ज़रा आटे की अपनी परात बाहर लाओ जिससे कि मेरा घोड़ा उसकी खुरचन खा सके."

रेसॉल्व का अनुरोध सुनकर पेशेंस ने गरीब नौकरानी से परात लाने को कहा.

फिर वो नौकरानी पर इतनी ज़ोर से चिल्लाई कि उससे परात सुअर के खाने वाले कुंड में गिर गई.

रेसॉल्व ने यह सब देखा. "अच्छा पेशेंस, फिर मिलेंगे" उसने कहा, और फिर वो घोड़े पर आगे बढ़ा.

वो कुछ दूर आगे गया. दूसरा घर समांथा ग्रीन का था. सामंथा आलसी और सुस्त थी. सूरज काफी ऊपर उग आया था फिर भी वो लेटी थी.
उसके घर में अभी रोटियां बनाने का सिलसिला शुरू तक नहीं हुआ था.
"गुडमॉर्निंग, सामंथा," रेसॉल्व ने कहा. "ज़रा आटे की अपनी परात बाहर लाओ जिससे कि मेरा घोड़ा उसकी खुरचन खा सके."
सामंथा ने जम्हाई ली. वह खुद की मदद नहीं कर सकती थी. वो फिर जगी.
"शुभ-दिन, सामन्था," रेसोल्व ने कहा. वह खुद पर मुस्कुराया. अभी तक माँ की सलाह ने अच्छा काम किया था. उसे अभी भी पेशेंस ब्रिघम के घर से चिल्लाने की आवाज़ आ रही थी. उसने सामंथा की जम्हाई के बारे में सोचा. वह उन दोनों में से किसी से शादी नहीं करना चाहता था!

वह फिर सवार हुआ. वह जिस तीसरे घर में आया, वह जेन मैककेरी का था. जेन बाहर आई. वो अच्छे स्वभाव वाली थी. वो दरवाज़े के सामने खड़ी हो गई.

रेसोल्व ने कहा, "सुप्रभात, जेन. ज़रा आटे की अपनी परात बाहर लाओ जिससे कि मेरा घोड़ा उसकी खुरचन खा सके."

जेन न तो बहुत सुंदर थी और न ही बहुत सादा. उसके साथ कुछ बहुत गलत भी नहीं था. लेकिन फिर भी रेसोल्व को वो कोई ख़ास पसंद नहीं आई. जेन के बाहर आने पर रेसोल्व को बेहद राहत मिली, क्योंकि उसकी परात आटे से पूरी तरह सनी थी.

"गुड-डे, जेन," रेसोल्व ने कहा, और फिर वो घोड़े पर आगे चला.

"अरे! अभी तक बिल्कुल सफलता नहीं मिली!" रेसोल्व ने खुद से कहा.
आखिर उसके साथ क्या मामला था? यह सोचकर वो खुद आश्चर्यचकित
हुआ. पत्नी न मिलने पर उसे हतोत्साहित महसूस करना चाहिए था,
इसकी बजाय उसे खुशी महसूस हुई.
चौथा घर हेपज़ीबा मॉडली का था.
हेपज़ीबा को अपनी रोटियों पर काफी गर्व था.

"सुप्रभात, हेपज़ीबा. ज़रा आटे की अपनी परात बाहर लाओ जिससे
कि मेरा घोड़ा उसकी खुरचन खा सके," रेसोल्व ने कहा.
यह सुनकर हेपज़ीबा को लगा जैसे उसकी नाक कट गई हो.
"महोदय!" वह पीछे हटी और उसने कहा, "मैं खुद अपनी रोटी कभी
नहीं बनाती हूँ. जब मेरे पिता व्यापार करने जाते हैं, तो मैं सप्ताह भर
की रोटियां बेकर से मंगाती हूं. यदि आपके घोड़े को खाने को कुछ
चाहिए तो मैं यह सूखी रोटियां उसे दे सकती हूँ."
"गुड-डे, हेपज़ीबा," रेसोल्व ने उसे प्रणाम किया.
फिर वो अपने घोड़े फ्लिकर पर बैठकर आगे बढ़ा.

इस बीच, अच्छे स्वभाव वाली जेन मैक्लेयर चुप नहीं बैठी थी. उसने घर-घर जाकर अपने दोस्तों को सचेत किया. युवा रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन उनसे आटा गूंथने की परात दिखाने को कह सकता था. भला इसका क्या मतलब होगा? यह उसे भी नहीं पता था.
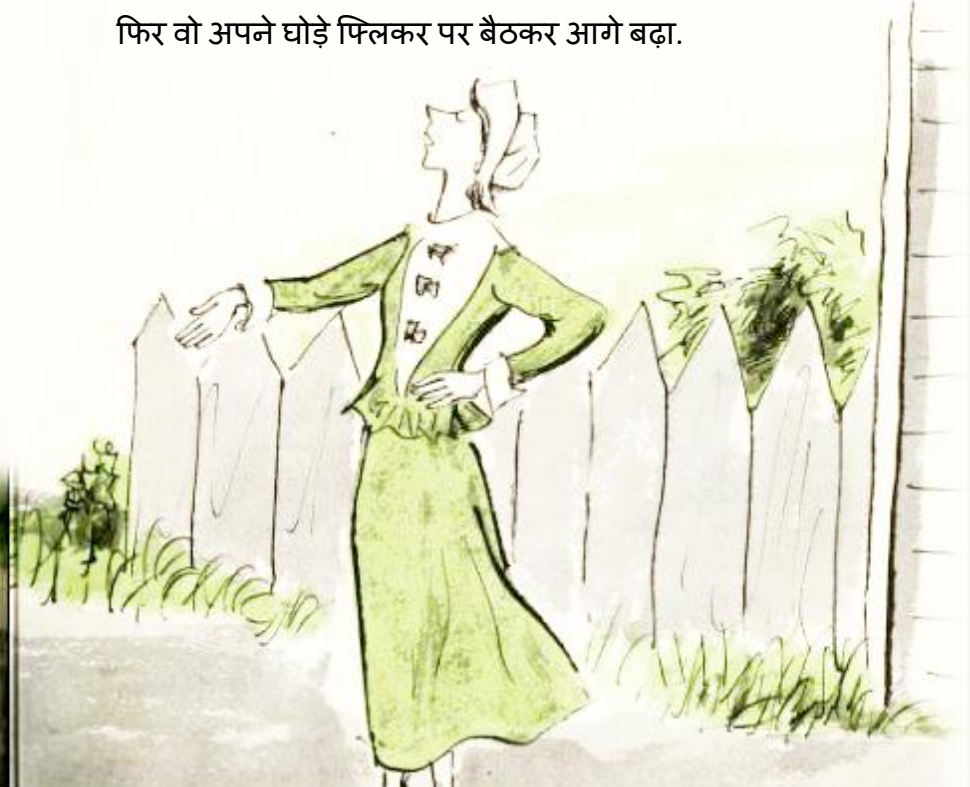
पाँचवाँ घर होप पीबॉडी का था. वो घर का कामकाज करने के बजाय दिन में सपने देख रही थी. उसने दूर से ही रेसोल्व को अपने घर आते हुए देख लिया क्योंकि उसका घर काफी ऊंचाई पर था.
होप ने दस्तक सुनकर दरवाजा खोला. पर रेसोल्व ने अंदर जो नजारा देखा उसे देखकर वो हांफने लगा. जब होप ने मुड़कर देखा वो ज़ोर से चीखी और उसने कसकर दरवाजा बंद कर दिया. फिर वो गरीब लड़की रोई और रोई. जो कुछ भी युवा रेसोल्व उससे कहना चाहता था, वो मौका उसने खो दिया था.

कई लड़कियों बहुत पहले ही घर की रोटियां सेंक चुकी थीं.
दूसरों ने भी अपनी रोटियाँ सेंककर परात को धोकर लटका दिया था.
उसके बाद जो भी लड़की परात बाहर लेकर आई वो घोड़े को ललचाने के लिए उस पर मक्खन युक्त आटा, केक-आटा, सेब, किशमिश, चोकर, जई, अंडे, मेपल चीनी - जैसी चीजें चिपका कर लाईं.
"धन्यवाद," रेसोल्व मेकपीस वॉटरमैन ने हरेक लड़की से कहा और फिर वो घोड़े पर सवार होकर वहां से निकला.

फ्लिकर घोड़े ने कुछ जगह कुछ चीज़ें चखीं. पर वो सुबह पेट भर खाना खाकर निकला था. इसलिए उसे भूख नहीं लगी थी. पर आज तेज़ दौड़ने का उसके मन में उछाल भरा था. वो बहुत तेज़ी से आगे बढ़ना और दौड़ना चाहता था. उसने बाड़ के ऊपर छलांग लगाई और फिर किंग्स हाइवे पर फटाफट पहुँच गया. ऐसा लग रहा था कि रेसोल्व भी घोड़े को नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं कर रहा था.
घोड़ा सरपट भाग रहा था. मील के बाद मील पीछे छूट रहे थे. वे गांव में घुसे. वे चर्च पार कर रहे थे. पर फ्लिकर थम नहीं रहा था. वो गांव के बीच एक हरे मैदान पर जाकर थोड़ा ठहरा. वहां सामने एक घर था.

अरे वाह! रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन पत्नी पाने के कोई करीब नहीं था और अब उसके पास एक भगोड़ा घोड़ा था! क्या वो वाकई में सुस्त था? तभी एक घर पर उसकी नज़रें जाकर टिकीं. खिड़की के नीचे से चमकती आँखें उसे चिढ़ा रही थीं. अचानक उसने ऐड़ी मारकर फ्लिकर को दौड़ाया.

"रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन!" उसने खुद से कहा. "सुबह से तुम कैसी आफत में फंसे हो!" यह सोचकर वो ऊपर से नीचे तक कांप उठा. "तुम्हारे साथ क्या मामला है? उस लड़की डोरोथी अपजोन को तुम बहुत चाहते हो, निश्चित रूप से - डोरोथी ही तुम्हारी ज़िंदगी में एकमात्र लड़की रही है और हमेशा रहेगी."

फिर वो हिम्मत करके दरवाजे तक गया और उसने दस्तक दी.

डोरोथी अपजोन! वो बिलकुल उसके सामने खड़ी थी.

उसे देखकर रेसोल्व के मुंह से एक शब्द भी बाहर नहीं निकला.

रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन ने अब अपना मन तो बना लिया था.

पर अब उसका दिमाग काम ही नहीं कर रहा था.

"गुड मॉर्निंग, रेसोल्व," डोरोथी ने कहा. वो मुस्कुराई.
वह रुकी फिर उसने कहा, "तुम किस काम से आए हो?"
रेसोल्व अपने आप से जूझता रहा. उसने प्रार्थना की - भगवान मुझे शक्ति दो. मुझे बोलने में सक्षम करो. फिर उसके मुंह से यह शब्द निकले: "गुड मॉर्निंग, डोरोथी! ज़रा आटे की अपनी परात बाहर लाओ जिससे कि मेरा घोड़ा उसकी खुरचन खा सके."

डोरोथी गुस्सा हुई. उसके घर के हालात बहुत अच्छे नहीं थे. पिता घुमन्तु थे और जब कुछ इंडियंस आए, तो वो उनके साथ शिकार करने निकल गए. वह अभी तक वापस नहीं आये थे. घर में सामान की किल्लत थी, विशेष रूप से रोटी पकाने के लिए कीमती सफेद आटे की. उसे परात की कोई आवश्यकता नहीं थी. वो मक्का के आटे को कूटकर कढ़ाई में ही पका लेती थी.

डोरोथी अपजोन, रिज़ॉल्व्ड मेकपीस वाटरमैन को देखकर बहुत खुशी हुई, लेकिन परात के बारे में पूछने से डोरोथी को खुद अपनी परेशानियां याद आईं. उसने अपना सिर इधर-उधर झटका और फिर वो गुलाब की तरह शरमाई. कभी वो घर में जाती फिर कभी बाहर निकलती.
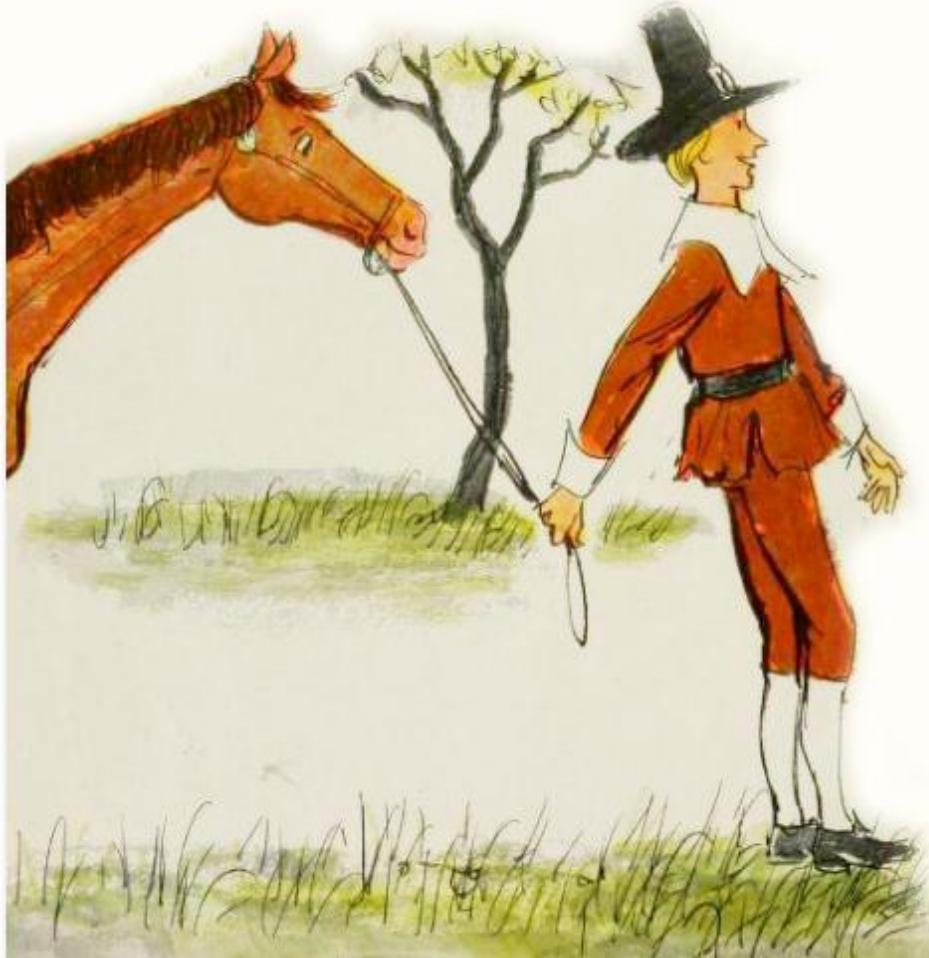
"यह देखो रेसोल्व वाटरमैन!" उसने कहा. "मैंने अपनी परात पर कुछ भी नहीं छोड़ा है. सभी अच्छी लड़कियां वैसा ही करती हैं. मेरी माँ ने मुझे इसी तरह गृहिणियों की कला में प्रशिक्षित किया था." फिर उसने अपने सफ़ेद हाथों में चमकदार और साफ़ परात दिखाई.

रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन ने डोरोथी के सामने अपने घुटने टेक दिए.
"प्रिय, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? मेरे पास एक अच्छा घर, बाग,
खेत और जानवर हैं."
डोरोथी हांफने लगी. डोरोथी पलक झपकने लगी. जैसे रेसोल्व ने बात की वैसे
उसकी सुंदर जानेमन मुस्कुराने लगी. वह आगे झुकी और उसने रेसोल्व की
नाक को चूमा. "मेरे प्रिय!" डोरोथी ने कहा. "हाँ, मैं ज़रूर तुमसे शादी करूंगी.
पर यह बताओ कि तुमने मुझसे परात दिखाने के लिए क्यों कहा?"
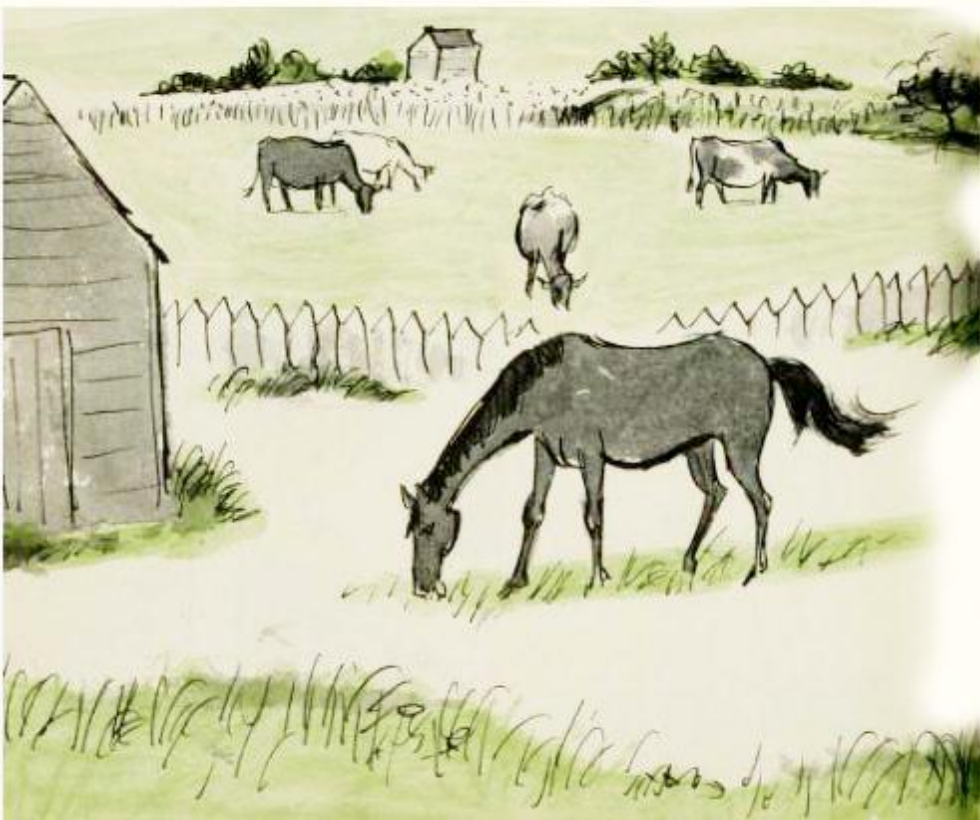
शादी की तैयारी सेब के पेड़ों के नीचे आयोजित हुई - रेसोल्व और डोरोथी की जल्द ही शादी हो गई. डोरोथी के पिता वापस आए, और अपने इंडियन दोस्तों के साथ बहुत सारा शिकार लाये. इसलिए खाने में तरह-तरह के मांस थे. डोरोथी के पिता शहर गए और वहां से चीनी, सफेद आटे का एक बड़ा बोरा आदि वापस लेकर आए. अच्छे भोजन के बीच में, केक अकेले चमचमाती परात में रखा था!

रेसोल्व की माँ ने क्योंकि खुद ही परीक्षा निर्धारित की थी इसलिए उन्हें उससे संतुष्ट भी होना पड़ा. अन्य माताओं ने इस कहानी को एक उदाहरण के रूप में उपयोग किया: यदि आपकी लड़की को एक अच्छा पति चाहिए तो उसे परात साफ़ रखनी चाहिए.

लेकिन उसके बाद रेसोल्व मेकपीस वाटरमैन और डोरोथी की परात कभी साफ़ नहीं रही.

समाप्त